AS - 2050

MA (Third Semester) Examination, 2013

HISTORY Paper : MH 3.5

# HISTORY OF ENGLAND (1815-1939 AD)

Section 'A'
(खण्ड - अ)

1.

(i) 1815 (ii) 1830 (iii) 1812 (iv) 04 (v) ब्राजील (vi) 1832 (vii) तीन (viii) 04 (ix) वाल्डविन (x) चेम्बरलेन।

Section 'B'
(खण्ड - ब)

2. नेपोलियन के युद्धों द्वारा इंग्लैण्ड के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या जिनमें यूरोप में इंग्लैण्ड की उन्नति, राज्यविस्तार, आर्थिक व सामाजिक कष्टों का युग अशांति, जनसंख्या में वृद्धि, बेकारी की समस्या, युद्ध के दुष्परिणाम, व्यय की अधिकता, धन का विषमतापूर्ण बंटवारा फसलों का नष्ट होना व अनाज कानून, मजदूर वर्गों को राजनीतिक अधिकार से वंचित, मताधिकार का दोषपूर्ण नियम और सीटों का अनुचित बंटवारा देश में विभिन्न घटनाऐं जिनमें - स्पाफील्डस की घटना, मैन्चेस्टर हत्याकांड आदि तथा दंगों को दमन करने के लिए सरकार के छः कानून आदि।

3. कैसलरे व कैनिंग दोनों ने इंग्लैण्ड की विदेशनीति को प्रभावित किया और राजनीतिक मामले में दोनों ही पंगरपिट के शिष्य थे दोनों ही प्रधानमंत्री लीवरपुल की अधीनता में कार्य किया। इन दोनों की विदेशनीति में पर्याप्त अन्तर था। कैनिंग राष्ट्रीय नीति का समर्थक था परन्तु कैसलरे यूरोपीयन व अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के सिद्धांत का समर्थक था, कैनिंग ने जिस प्रकार की नीति अपनायी वह केवल इंग्लैण्ड के हित के लिए ही थी, लेकिन कैसलरे ने अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को सामने रखा। जहाँ तक छोटे देशों के प्रति इंग्लैण्ड के रवैये का प्रश्न है दोनों ने

दूसरे के विरोधी विचार रखते थे, कैनिंग ने टर्की की शक्ति की अत्यधिक परवाह नहीं की परन्तु कैसलरे इंग्लैण्ड व यूरोप में रूस के सम्भावित आक्रमणों से रक्षा हेतु टर्की को एक ढाल के रूप में देखना चाहता था। जहाँ तक सफलता का प्रश्न है कैनिंग कैसलरे की अपेक्षा अपनी विदेशनीति में अधिक सफल रहा।

4. विलियम चतुर्थ के काल में लाभकारी सुधार जिनमें - निर्वाचन सम्बन्धी सुधार, दास प्रथा विरोधी कानून, 1833 ई. का कारखाना अधिनियम, 1835 का स्थानीय निकाय अधिनियम, 1832 का शिक्षा अधिनियम, 1834 का गरीब कानून सुधार, प्रिवी कौंसिल व जुडिशियल कमेटी की स्थापना आदि।

5. लोवेट और फियरगस ओ कोनर के नेतृत्व में गठन, उनकी छः मांगे, आन्दोलन का परिणाम और महत्व में - जनता के कष्टों की कमी कालान्तर में चार्टिस्टों की मांगों को स्वीकार किया जाना, साहित्य व राजनीतिक दर्शन पर प्रभाव तथा अंत में उनका महत्व।

6. 1885 के सुधार अधिनियम द्वारा सीटो के पुनर्वितरण की व्यवस्था की गई जो पहले वितरण समान व उचित रूप से नहीं हुआ था उन समस्त बरोजों को, जिनकी आबादी 15 हजार से कम थी कोई भी प्रतिनिधि भेजने का अधिकार नहीं था। 15 हजार से 50 हजार आबादी वाले बरोज को एक-एक प्रतिनिधि भेजने का अधिकार प्राप्त हुआ। जिन बरोज की आबादी 50 हजार से अधिक और एक लाख साठ हजार से कम थी उन्हें दो-दो प्रतिनिधि भेजने का अधिकार मिला। इस अधिनियम द्वारा एक चुनाव क्षेत्रों

.2

केवल एक ही सदस्य के चुनाव की व्यवस्था की गई। स्काटलैण्ड को 12 और इंग्लैण्ड को केवल 6 अतिरिक्त सीटें प्रदान की गई। इस अधिनियम द्वारा कामन्स सभा में 12 अतिरिक्त सदस्य रखे गये, समस्त बालिग पुरुषों को मताधिकार प्राप्त हो गया।

7. ग्लैडस्टन का परिचय, आन्तरिक सुधार जिनमें - शिक्षा सम्बन्धी सुधार, सेना सम्बन्धी सुधार, न्याय सम्बन्धी सुधार, बैलेट ऐक्ट सरकारी सेवा सम्बन्धी अधिनियम, यूनिवर्सिटी टेस्ट ऐक्ट, लाइसेंसिंग ऐक्ट, ट्रेडयूनियन ऐक्ट, आयरिश चर्च सम्बन्धी नियम, तृतीय सुधार बिल 1884, श्रमिक सम्बन्धी कानून, बरियल ऐक्ट, 1882 का विवाहित स्त्री जायदाद कानून, 1833 का एग्रीकल्चरल होलिडग्स ऐक्ट, तथा 1894 का पेरिस कौंसिल ऐक्ट।

8. ग्लैडस्टोन व डिअरायली की चरित्र व नीतियों की तुलना में - दोनों के कुल व शिक्षा, चरित्र, धर्म व दोनों के प्रति रानी का रवैया, विदेशनीति की तुलना में - यूरोप के विभिन्न देशों के प्रति नीति, पूर्वी समस्या के प्रति नीति, आयरलैण्ड के प्रति नीति, नौआवादियों के प्रति इनकी नीति। गृहनीति की तुलना - अपने दलों के प्रति इनका रवैया, घरेलू सुधारों के प्रति इनका रवैया आदि।

—x—

डॉ० महेश शुक्ल
सहा० प्राध्यापक (इतिहास)
गु० घा० वि० वि० बिलासपुर

.3